SARASWATI MAHILA MAHAVIDHYALAYA, PALWAL

LESSON-PLAN

Class: BA I
Semester: ODD/EVEN IInd sem
Subject: Sanskrit
Session: 2021-22

Lecture Number	Topic
1	संस्कृत ग्रन्थानुशीलनम् मे दूतवाक्यम् का सार
2	महाकवि भास का जीवन परिचय व रचनाओ को सुना
3	भास की काव्य शैली की समीक्षा
4	श्रीकृष्ण व दुर्योधन का चरित्र चित्रण
5	नाटकीय पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या
6	समस्या समाधान
7	Test
8	व्याख्या भाग = पादः पायादुपेन्द्रस्य --- मनुष्याणाम संभ्रमः
9	अनुगृहीतोऽस्मि --- कुमारावुपेत्य निवारयति
10	नीचोऽहमेव विपरीतमतिः --- चलितोऽस्म्यासनादहम् तक पाठ
11	अहो बहुमायोऽयं दूतः
12	भो दूत! न जानाति ---- वध्यतामेष शीघ्रम् तक
13	दुर्योधनः- अयमशक्तः --- हे नन्दक प्रशान्तरोषो
14	सोऽयं खड्गः ---- राजसिंह प्रशाम्यतु नः
15	ग्रहणमुपगते तु --- नारी मृदूनि वचनानि युधिष्ठिरस्य
16	तत प्रविशति वासुदेव ---- संभ्रमाः कुशलोपपन्नाः
17	वासुदेवः सदृशमेतद गान्धारीपुत्रस्य --- भवेद विफलक्रमः

Signature:

Lecture No.	Topic
18	अतः तन्मधुदोषतो ज्ञातुम् --- फाल्गुनेनैव मोचितः तक पाठ्य
19	दातुमर्हसि मधुकरनाद --- बध्यतामेव शीघ्रमत तक पाठ्य
20	स्रजसि यदि समन्तात् ---- स्वायविकलः श्रमः
21	पूर्णेन्दुकुन्दकुमुदोदरहारगौरे --- गद्य तावत्
22	समस्या समाधान व रिविजन
23	oral Test
24	शुकनासोपदेशः में बाणभट्ट का जीवन परिचय व रचनाओं का वर्णन
25	बाण भट्ट की गद्य शैली का वर्णन
26	शुकनासोपदेशः के आधार पर लक्ष्मी का चरित्र चित्रण
27	चन्द्रापीड का चरित्र चित्रण
28	महामन्त्री शुकनास का चरित्र चित्रण
29	व्याख्या भाग - एवं समतिक्रामत्सु -- प्रकृतिः
30	इन्द्रियहरिणहारिणी च --- वाडवानलो वारिणा तक पाठ्य
31	गुरूपदेशश्च नाम .... राज्यविषविकारतन्द्राप्रदा राजलक्ष्मीः
32	आलोकयतु तावत् ---- न लक्षणं प्रमाणीकरोति तक
33	समस्या समाधान एवं रिविजन
34	Test
35	गन्धर्वनगरलेखेव पश्यत एव नश्यति -- स्वल्पसत्वमुन्मत्तीकरोति।
36	सरस्वती परिगृहीतमीर्ष्ययेव --- स्वधर्ममपि कलुषीकरोति।
37	यथा यथा चेयं चपला -- राहुजिह्वा धर्मेन्दुमण्डलस्य।
38	न हि तं पश्यामि यो ---- ध्वजपटपल्लवैरिव परामृश्यते यशः
39	तथाहि, केचिद्दृमवशाशीर्भिस्नुगनिगलपुरःचपलाभि -- परेण संचार्यन्ते।
40	मृषावादविषविपाकसञ्जातमुखरोगा --- क्षुद्राशीविष्ठितभावना:
41	श्रूयमाणा अपि प्रेत पटहा --- अविशेषज्ञतामप्य-पातित्वमिति

Lecture No.	Topic
४२	दोषानपि गुणपक्षमध्यारोपयन्ति --- स्पर्शमपि पावनमाकलयन्ति
४३	मिथ्यामाहात्म्यगर्वनिर्भराश्च --- माहात्म्यमुद्भावयन्ति ---
४४	किं वा तेषां साम्प्रतं --- रागेण नापह्रियसे सुरवेन पटाघा
४५	कामं भवान प्रकृत्यैव धीरः --- इत्येतावदभिधायोपशशाम
४६	समस्या समाधान
४७	रिविजन
४८	Test
४९	शब्द रूप - आत्मन् व दण्डिन्
50	वायु व सरित्
51	सर्व के तीनों लिंग रूपे
52	तद् के तीनों लिंग रूपे
53	एतद् के तीनों लिंग रूपे
54	यद् के तीनों लिंग रूपे
55	क के तीनों लिंग
56	इदम् के तीनों लिंग
57	अस्मद् व युष्मद्
58	एक व द्वि
59	त्रि ब चतुर, पञ्चन के शब्द रूप
60	रिविजन
61	Test
62	सेव धातु व लभ् धातु
63	रुच्, मुद्, याच्
64	आत्मनेप, कृ,
65	भी उभयपदी
66	हृ (हरना) उभयपदी

Lecture No.	Topic
67	अज व पच धातु
68	रिविजन व Test
69	स्रग्धरा, वंशस्थ छन्द
70	शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता छन्द
71	वसन्ततिलका, शार्दूलविक्रीडित छन्द
72	अनुष्टुप छन्द, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा
73	उपजाति, मालिनी
74	~~वस्तु~~ रिविजन
75	Test
76	वस्तुनिष्ठ प्रश्न
78	रिविजन